वन उत्पादकता संस्थान में वेबिनार

देशप्राण संवाददाता

पिस्का नगड़ी, 22 सितंबर : वन उत्पादकता संस्थान, रांची में वेबिनार के माध्यम से मंगलवार को पूर्वी भारत के एक दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए डॉ. नितिन कुलकर्णी (निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची) डी. जयप्रसाद (निदेशक, वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संदीप त्रिपाठी, (आईएफएस पीसीसीएफ एचओएफएफ ओडिशा) मुख्य समन्वयक अरुण सिंह रावत (भा.व.से., महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्) एसडी शर्मा,(आईएफएस, डीडीजी, अनुसंधान), आर. सोभा, आईएफएस, पीके वर्मा, एके पांडे, डॉ. जोस टी. मैथ्यूज, एके प्रसाद, डॉ. योगेश्वर मिश्र, डॉ. प्रवीण एच. चव्हाण, डॉ. कैलाश चंद्र, एस. दुबे ने वर्तमान अनुसंधान कि आवश्यकताओं पर अपना व्यक्तव्य दिया।

डॉ. एस. डी. शर्मा इस सम्मलेन के उदेश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश तथा ओड़िशा राज्यों के हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान कि आवश्यकताओं कि पहचान करने के लिए तथा उनकी प्राथमिकताएं निर्धारित करने की जरूरत है। मुख्य अतिथि डॉ. संदीप त्रिपाठी ने अपने संबोधन में बताया कि परिषद् में होने वाले बुनियादी, समकालीन, सहयोगी एवं नेटवर्किंग योजनाओं के सम्मेलन से शोध में सहयोग को प्रेरित करने के लिए अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

उन्होंने बताया न केवल राज्य वन विभाग बल्कि विभिन्न वन आधारित उद्योग, किसानों, सहकारी समितियों, गैर सरकारी संगठन, वानिकी अनुसन्धान से संबंधित किसी भी सामान्य एवं विशिस्ट समस्या के निदान हेतु, हमारे किसी भी संस्थान से संपर्क कर सकते हैं।

संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी शम्भूनाथ मिश्र सहित पूर्वी भारत के प्रमुख फॉरेस्ट और शिक्षाविदों में सत्यजीत सिंह, डॉ. अक्षय कुमार पट्टनायक, डॉ वेंकटेश्वर, संजय कुमार सिन्हा, प्रियंका वर्गीज, डॉ. के के शर्मा, डॉ. निरंजन कुमार, डॉ. शरद तिवारी, संजीव कुमार, टी.महतो, सरोज महापात्र, प्रदान के अलावा मुख्यतः कॉलेजों के प्रतिनिधि, विश्वविद्यालयों, केंद्रीय एवं राज्य वन मंत्रालय के सदस्यों, गैर सरकारी संगठन, औद्योगिक क्षेत्र के गणमान्य अतिथि ने सम्मलेन में भाग लिया। डॉ. योगेश्वर मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वेबिनार में शामिल अधिकारीगण।